

鹿猿山詩詞



西塞山詩社出版

# 鹿樟山诗词

西塞山诗社出版

西塞山诗社出版

一九九三年十月·湖北黄石

主    编  王宗奕  
责任编辑  李声高

## 鹿 獐 山 诗 词

---

编辑 西塞山诗社铁山分社

出版 西塞山诗社

印刷 黄石日报社印刷厂

开本 787 毫米×1092 毫米 1/32

印张 7.5 插页 6

字数 180 千字

版次 1993 年 10 月第 1 版 第 1 次印刷

印数 1—2500 册

书号 ESHSHTNZ1993—047

定价 ￥5.20 元

---

## 序

幼学之时，即从教科书上结识了铁山——这里有闻名于世的大铁矿。矿石品位之高，藏量之丰，世所罕见。听着老师自豪的讲述，心神往之。去年，我有幸调来铁山区工作，领略了铁山的天宝物华，感受更深的则是铁山地灵人杰。

三国之始，我们的祖先即在此掘矿冶炼，始有铁山之名。隋唐以降，历代均在此置炉炼铁，促生产之发展，鼎民族之兴盛，功莫大焉。解放后，群山献宝，铁山成为武钢“粮仓”；旧貌换新颜，矿场建成繁华城区。在这里，地下宝藏源源出世，建设人才济济成长。勤劳智慧的铁山人在采掘丰富的矿产资源的同时，发掘着深厚的文化底蕴：黄巢冶刀，岳飞炼剑，太平军厉兵秣马，张之洞设立矿局。东方朔潜心读书而成大家名臣，铁拐李精诚修炼终至得道升仙。东方山上弘化禅寺，“宝峰招提”，唐宪宗御笔遗风；铁山寺下古银杏，千五年轮，宋前树依旧参天。“三楚第一山”，造化神明，香客络绎不绝；东方山水库，钟毓灵秀，游人纷至沓来。鹿峰阁朝晖夕阴，风雨雷霆霜雪月，气象万千；九龙洞幽昧深邃，乳石清泉影光声，魅力无穷……铁山以其深沉与豪迈铸就了自身的风骨，又以其特有的慷慨与豁达为我们的国家和民族铸造了一代代不朽的辉煌。而优越的自然条件和丰富的矿产资源与悠久的历史风物和广泛的人文遗址，则又构成了铁山文化丰沃的土壤和较高的“品位”。铁山不愧是我中华古国铁器文化取代铜器文化的圣地。

西扼黄石门户而成为鄂东重要交通枢纽的铁山，正从一

---

个以采矿、建材业为主的工矿区，向多产业工贸区转变和发展。矿产资源丰富、地理位置适中、自然条件优越、交通通讯便捷等，都有利于本地区经济和社会事业的健康发展。随着物质文化生活水平的提高，群众性业余创作也蓬勃地发展起来。早在五六十年代，大冶铁矿的矿工诗人、作家就斐声于省内外。如今，黄石被列为我省第二个沿江对外开放城市，铁山正在加速建设开放城区。躬逢盛世，诗人们切时代之脉搏，抒改革之激情，歌建设之盛况，咏文明之新风，或沉雄激越，或婉转流利，或典雅庄朴，或通俗生动，其志彰彰，其情洋洋，鹿鸣风和，异彩纷呈。辑此首集面世，实是一大喜事。我们有理由相信，这必将为铁山文化建设和文艺繁荣昭示一派丰收的前景。

在人类文明的历史长河中，物质文明与精神文明是相互依存、相互促进的。我们理当在高度重视物质文明、大力发展经济的同时，毫不放松精神文明建设和有利于社会发展的文化工作，藉此机会，谨希广大诗人把握好扬弃传统与大胆创新的关系，鼎新革故，推陈出新，让我们的诗，让我们的文化踏出与经济发展同步的足音！是为序。

丁 杰

一九九三年六月八日

## 目 录

|        |               |
|--------|---------------|
| 序..... | 丁 杰           |
| 丁 杰    | 七首 ..... (1)  |
| 万里鹏    | 四首 ..... (3)  |
| 马哲金    | 四首 ..... (4)  |
| 王宗奕    | 二十首 ..... (6) |
| 王荫槐    | 一首..... (12)  |
| 王又之    | 三首..... (13)  |
| 王贤胜    | 一首..... (14)  |
| 王敬英(女) | 四首..... (14)  |
| 王建国    | 四首..... (16)  |
| 王后保    | 一首..... (17)  |
| 王晓高    | 一首..... (17)  |
| 毛文汉    | 一首..... (18)  |
| 方子仁    | 一首..... (19)  |
| 方化纯    | 一首..... (19)  |
| 方相福    | 五首..... (20)  |
| 白雉山    | 一首..... (22)  |
| 田 园    | 六首..... (22)  |
| 田思齐    | 二首..... (25)  |
| 田汉华    | 一首..... (26)  |
| 田多稼    | 四首..... (26)  |
| 古 愚    | 一首..... (28)  |

|     |              |
|-----|--------------|
| 石功来 | 三首..... (28) |
| 石文远 | 五首..... (29) |
| 皮馨香 | 一首..... (31) |
| 冯辉林 | 四首..... (32) |
| 冯辉师 | 一首..... (33) |
| 乐松荣 | 六首..... (34) |
| 乐 俊 | 一首..... (36) |
| 乐先声 | 二首..... (36) |
| 乐翕如 | 三首..... (37) |
| 叶培根 | 一首..... (39) |
| 帅 平 | 一首..... (39) |
| 刘汉中 | 七首..... (39) |
| 刘廷选 | 一首..... (42) |
| 刘少达 | 三首..... (43) |
| 刘照青 | 二首..... (44) |
| 刘鸿书 | 二首..... (45) |
| 刘新民 | 一首..... (46) |
| 刘同旺 | 五首..... (46) |
| 刘 锐 | 八首..... (48) |
| 刘渭滨 | 一首..... (50) |
| 刘树荣 | 五首..... (51) |
| 刘胜华 | 七首..... (52) |

|        |    |      |
|--------|----|------|
| 刘志强    | 七首 | (55) |
| 刘建     | 四首 | (57) |
| 刘石如    | 三首 | (58) |
| 刘文中    | 二首 | (59) |
| 刘梓林    | 一首 | (60) |
| 刘诗如    | 五首 | (61) |
| 刘焕宇    | 一首 | (63) |
| 刘海门    | 一首 | (64) |
| 刘本善    | 一首 | (64) |
| 刘梓琴    | 一首 | (64) |
| 刘智维(女) | 一首 | (65) |
| 刘异     | 八首 | (65) |
| 刘济时    | 一首 | (68) |
| 刘化石    | 二首 | (68) |
| 刘舜英(女) | 一首 | (69) |
| 刘多维(女) | 一首 | (69) |
| 刘光华    | 三首 | (70) |
| 刘叔延    | 三首 | (71) |
| 刘子玉    | 一首 | (72) |
| 刘汝作    | 三首 | (72) |
| 刘昆     | 一首 | (74) |
| 刘树香    | 二首 | (74) |
| 刘澎     | 四首 | (75) |
| 刘显彬    | 一首 | (76) |
| 刘书美    | 二首 | (76) |
| 刘云亭    | 一首 | (77) |
| 刘正谱    | 三首 | (77) |

|     |    |       |
|-----|----|-------|
| 刘国香 | 二首 | (78)  |
| 刘光军 | 二首 | (79)  |
| 刘学农 | 一首 | (80)  |
| 刘汉书 | 二首 | (80)  |
| 李普法 | 八首 | (81)  |
| 李声高 | 五首 | (84)  |
| 李祖烈 | 四首 | (86)  |
| 李助国 | 一首 | (88)  |
| 李水山 | 一首 | (88)  |
| 李寄生 | 二首 | (89)  |
| 李治华 | 一首 | (90)  |
| 李子俊 | 三首 | (90)  |
| 李朝干 | 一首 | (91)  |
| 李刚  | 一首 | (92)  |
| 李公选 | 一首 | (92)  |
| 李纯  | 一首 | (93)  |
| 李家本 | 一首 | (93)  |
| 成国栋 | 一首 | (94)  |
| 朱建国 | 八首 | (94)  |
| 林兰甫 | 一首 | (97)  |
| 陆保新 | 三首 | (97)  |
| 陆元保 | 一首 | (98)  |
| 余国柱 | 八首 | (99)  |
| 余肖琴 | 一首 | (102) |
| 余学彬 | 一首 | (102) |
| 余国舜 | 一首 | (103) |
| 余荣艺 | 四首 | (103) |

|      |    |       |       |
|------|----|-------|-------|
| 余崇正  | 一首 | ..... | (105) |
| 汪 森  | 二首 | ..... | (105) |
| 邹定德  | 一首 | ..... | (106) |
| 邹志生  | 一首 | ..... | (106) |
| 肖继松  | 二首 | ..... | (107) |
| 肖克冰  | 一首 | ..... | (108) |
| 陈 适  | 三首 | ..... | (108) |
| 陈 略  | 二首 | ..... | (110) |
| 陈新亚  | 四首 | ..... | (110) |
| 陈出新  | 四首 | ..... | (112) |
| 陈荫松  | 三首 | ..... | (113) |
| 陈 攀  | 一首 | ..... | (114) |
| 陈禹范  | 三首 | ..... | (115) |
| 陈炳辉  | 三首 | ..... | (116) |
| 陈绪中  | 三首 | ..... | (117) |
| 八老集句 | 一首 | ...   | (118) |
| 陈新明  | 三首 | ..... | (119) |
| 陈志东  | 三首 | ..... | (120) |
| 陈文斌  | 一首 | ..... | (121) |
| 吴 晶  | 三首 | ..... | (121) |
| 吴金隆  | 四首 | ..... | (123) |
| 吴远震  | 三首 | ..... | (124) |
| 吴风清  | 六首 | ..... | (125) |
| 吴 斌  | 三首 | ..... | (128) |
| 何德元  | 二首 | ..... | (129) |
| 何燕萍  | 二首 | ..... | (129) |
| 何松题  | 一首 | ..... | (130) |

|        |     |       |       |
|--------|-----|-------|-------|
| 杨行先    | 三首  | ..... | (130) |
| 杨 英    | 七首  | ..... | (131) |
| 欧阳施凯   | 三首  | ...   | (134) |
| 邵 奚    | 二首  | ..... | (135) |
| 邵承立    | 四首  | ..... | (136) |
| 邵斌臣    | 一首  | ..... | (138) |
| 孙志曜    | 一首  | ..... | (138) |
| 孙国和    | 四首  | ..... | (139) |
| 江祖祯    | 三首  | ..... | (140) |
| 闵孝騫    | 一首  | ..... | (141) |
| 张光前    | 十三首 | ...   | (142) |
| 张胜先    | 四首  | ..... | (147) |
| 张嗣汉    | 一首  | ..... | (148) |
| 张光水    | 二首  | ..... | (149) |
| 张怀林    | 三首  | ..... | (150) |
| 张去非    | 一首  | ..... | (151) |
| 张秋姑(女) | 一首  | ...   | (151) |
| 张冠群    | 二首  | ..... | (152) |
| 张用甫    | 二首  | ..... | (153) |
| 张顺民    | 五首  | ..... | (153) |
| 张俏姑(女) | 二首  | ...   | (155) |
| 张复卿    | 一首  | ..... | (156) |
| 明国骥    | 二首  | ..... | (156) |
| 明瑞峻    | 六首  | ..... | (157) |
| 金汉奇    | 二首  | ..... | (160) |
| 罗四藩    | 七首  | ..... | (160) |
| 周吉祥    | 二首  | ..... | (163) |

|     |    |       |       |
|-----|----|-------|-------|
| 姜宝琳 | 五首 | ..... | (163) |
| 姜子乔 | 四首 | ..... | (165) |
| 姜武禄 | 二首 | ..... | (167) |
| 姜渭滨 | 一首 | ..... | (168) |
| 姜焕章 | 一首 | ..... | (168) |
| 姚念松 | 六首 | ..... | (169) |
| 洪魁旺 | 四首 | ..... | (170) |
| 郭庆启 | 一首 | ..... | (172) |
| 徐云贵 | 二首 | ..... | (172) |
| 范曜华 | 三首 | ..... | (173) |
| 胡时中 | 二首 | ..... | (175) |
| 胡次南 | 二首 | ..... | (175) |
| 胡年谱 | 一首 | ..... | (176) |
| 胡德忠 | 四首 | ..... | (177) |
| 胡启生 | 二首 | ..... | (178) |
| 胡率祖 | 一首 | ..... | (179) |
| 胡长青 | 一首 | ..... | (179) |
| 胡振华 | 二首 | ..... | (180) |
| 胡厚钦 | 二首 | ..... | (181) |
| 胡绳祖 | 二首 | ..... | (181) |
| 柯干臣 | 五首 | ..... | (182) |
| 柯文翰 | 一首 | ..... | (184) |
| 贾克非 | 一首 | ..... | (185) |
| 唐光来 | 五首 | ..... | (185) |
| 高原  | 四首 | ..... | (187) |
| 虞自鳌 | 一首 | ..... | (189) |
| 梁国干 | 一首 | ..... | (189) |

|     |    |       |       |
|-----|----|-------|-------|
| 黄 鹄 | 九首 | ..... | (190) |
| 黄瑞麟 | 三首 | ..... | (193) |
| 黄文博 | 二首 | ..... | (195) |
| 黄术学 | 一首 | ..... | (195) |
| 黄亚中 | 四首 | ..... | (196) |
| 黄醒吾 | 一首 | ..... | (198) |
| 黄申芴 | 二首 | ..... | (198) |
| 袁绍宏 | 一首 | ..... | (199) |
| 戚中直 | 一首 | ..... | (199) |
| 盛祖元 | 三首 | ..... | (200) |
| 盛海源 | 五首 | ..... | (201) |
| 盛隆贵 | 三首 | ..... | (203) |
| 盛茂柏 | 五首 | ..... | (204) |
| 盛云来 | 一首 | ..... | (205) |
| 曹国干 | 二首 | ..... | (206) |
| 曹达志 | 二首 | ..... | (207) |
| 邬 明 | 一首 | ..... | (207) |
| 温 度 | 二首 | ..... | (208) |
| 谢俊华 | 三首 | ..... | (209) |
| 曾有才 | 三首 | ..... | (210) |
| 程 俊 | 四首 | ..... | (211) |
| 程光庭 | 一首 | ..... | (213) |
| 程树藩 | 一首 | ..... | (214) |
| 傅道卿 | 一首 | ..... | (214) |
| 智 印 | 一首 | ..... | (215) |
| 董小文 | 四首 | ..... | (215) |
| 詹后之 | 四首 | ..... | (216) |

|     |     |       |       |
|-----|-----|-------|-------|
| 詹向荣 | 五首  | ..... | (218) |
| 詹先祥 | 三首  | ..... | (219) |
| 詹志圣 | 二首  | ..... | (220) |
| 詹毅  | 二首  | ..... | (221) |
| 詹凤仪 | 十三首 | ...   | (222) |
| 虞海文 | 一首  | ..... | (226) |
| 熊健甫 | 二首  | ..... | (226) |

|     |    |       |       |
|-----|----|-------|-------|
| 潘作舟 | 四首 | ..... | (227) |
| 潘恒泰 | 一首 | ..... | (229) |
| 潘荫梅 | 一首 | ..... | (229) |
| 卫振中 | 一首 | ..... | (230) |
| 释园庆 | 一首 | ..... | (230) |
| 戴海波 | 九首 | ..... | (231) |
| 编后语 |    | ..... | (235) |

## 丁 杰 七首

圻春人，大学毕业，曾任黄石市委纪工委常委，现任铁山区人民政府区长。

### 赴远安考察绿化

一九九二年十一月，赴远安参观绿化造林。远安为湖北绿化达标第一县，造林十年，成效显著。

考察芳林赴远安，壮哉景色眼前看。  
山峰座座披青毯，川涧条条涌玉泉。  
学作愚公真不易，名标“第一”实非凡。  
竿头百尺从头越，造福千秋创丽篇。

### 过分水岭

雄关隘口筑通途，美景飞车一览收。  
碧绿红黄皆若画，山摇水舞贺金秋。

### 过神农架盘山镇盘山道

神峰高耸入青天，玉带盘山数百旋。

一日行车抬首看，悠悠前路白云间。

### 翻越鸣歧镇

轻车恰似一轻舟，谷底峰巅浪里游。  
峡口俨如天一线，危崖俯首矫猿愁。

### 参观昭君故里

生长明妃尚有村，地灵人杰自然成。  
女儿也有安邦志，大义和亲留美名。

### 九华山

江南圣地九华山，叠翠群峰刺碧天。  
归市途中偷得空，流连奇景几忘还。

### 九华山遥赠友人

九华峰秀似莲花，净土山门少噪鸦。  
欲学谪仙挥醉袖，携朋长此伴烟霞。

## 万里鹏 四首

大冶人，县地名志编辑，石首县粮食局退休干部。

### 梅

前身料是玉为魂，绰约天姿绝俗尘。  
傲骨敢凌冰百丈，幽香沁透月三更。  
赠春塞外怀君子，点额芳丛饰美人。  
开向陇头风雪霁，世间无此好丹青。

### 兰

十二阑干月满天，碧罗莹鬓影翩翩。  
生于空谷氤氲处，品列芳荃姊妹间。  
吟到素心诗亦雅，画来清韵墨能言。  
纵教移作朱门宠，九畹贞风自卓然。

### 竹

岂独徽之爱此君，板桥县宰更关情。  
虚心常见低头影，亮节才留抗世名。

向午和风扬凤尾，及时春雨出龙孙。  
无端沾得湘妃泪，又费诗人发古吟。

### 菊

昨夜秋风过小园，百花零落一花妍。  
开篱遣兴频呼酒，隔座留香未卷帘。  
瓣作金钩能挂月，羹调玉碗可延年。  
漫云只有陶公爱，更有刘郎爱不眠。

## 马哲金 四首

下陆人，长期从教，省杂文学会、诗词学会、楹联学会会员。西塞山诗社常务理事、副秘书长。

### 水调歌头·梦乡

早岁慕城市，到老欲还乡。魂牵梦绕难耐，一夜九回肠。常忆沙河戏水，还有杉林学猎，追兔走山梁。攀树采鲜果，逐草放牛羊。    龟板路，龙泉井，马磨坊。东邻西舍同沐，春雨共春阳。忙季锄云耕雨，闲季秧歌笙鼓，小子弄刀枪。谈

笑二三老，月下品琼浆。

### 寄 闲

纵笔耕耘十载闲，闲门闹市亦深山。  
清寒陋室传杯少，懒散华笺得句慳。  
文惹风刀曾剔骨，诗成霜剑不观颜。  
春阳惠我融融意，水自扬波舟自湾。

### 残 菊

残菊阳台正月正，瓦盆干了有垂英。  
枝枯不献人间媚，叶萎犹存物外情。  
忆昔风流嘲露冷，乘时潇洒看名轻。  
迎春妖冶桃花艳，我有新芽破土萌。

### 久雨望雪晴

冻雨凝窗锁暮寒，蜗庐煮酒白云边。  
泥淤愧负闲鸥约，懊恼难成锦锈篇。

频向孤峰询雪讯，即从深谷觅晴烟。  
抬头忽见鸣栖树，报道明朝又雨天。

## 王宗奕 二十首

男，生于一九五三年九月，大专文化，原任下陆区政府常务副区长，现任中共铁山区政法委书记、区政府常务副区长。

### 四十述怀

从政廿年转眼过，建功立业叹蹉跎。  
曾征西塞人辛苦，又上鹿獐山坎坷。  
未报高堂慈母爱，愧酬时代大风歌。  
光阴似箭当勤奋，挥桨长江逐浪波。

注：原已刊载《下陆诗词选》今略改动。

### 庆祝《鹿獐山诗词》问世

特献给张光前、刘异、

姜宝林、乐松荣几位老同志

投老诗章气若虹，惊雷笔底展雄风。

连珠妙句三春色，今日鹿獐添一峰。

注：鹿獐，指鹿獐山建有鹿峰阁、鹿鸣苑等风景点。

## 参观汉口火车站

一九九一年仲夏

地灵人杰沐春风，珠翠琼楼玉宇宏。

银线东西南北贯，中原今日又腾龙。

## 上灵峰口占

一九九二年仲夏

为看灵峰秀，催醒报晓鸡。

飞身九重塔，俯视旭阳低。

注：灵峰位于浙江雁荡山脉，又名合掌峰；两掌之间建有九重佛塔。

## 舟泛湖口

一九九二年仲夏

长江湖口两相容，劈浪行船指向东。